

21/12/2018

17/6/16

आज यह पत्र (पत्र) को प्रकाशित दिनों का प्रकाशित
वादी/प्राप्त ने प्रकाश प्रस्तुत किया कि वह अपने पत्र
पत्र को जारी नहीं करना चाहते। वह पत्र को
बिना कल-पत्र ही प्रकाश करी जो स्वीकार
किया जाता है। प्रकाशक नरेश से कल-कल कर
लक्ष्मी देविम हल्ल की लगी रिपिन के म
कोई में लिखा जाकर खुले न्यायलय में उभार
गया।

रवि खण्ड अधिकारी
प्रोत्साहन (अवकाश)